PM-किसान योजना

चर्चा में क्यों ?

भारत के प्रधानमंत्री ने किसान कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-किसान) की **17वीं किस्त** के वितरण की अनुमति दी।

मुख्य बिंदु:

- **प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-किसान)** के तहत लगभग **9.26 करोड़** लाभार्थी किसानों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से **20,000 करोड़ रुपए** से अधिक की 17वीं किस्त दी जाएगी।
  - अब तक **PM-किसान** के तहत **11 करोड़** से अधिक पात्र किसान परिवारों को **3.04 लाख करोड़ रुपए** से अधिक का लाभ मिला है।
- स्वयं सहायता समूहों (SHG) की 30,000 से अधिक महिलाओं को **कृषि सखी** के रूप में प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये गए।
- **कृषि सखी अभिसरण कार्यक्रम (KSCP)** का उद्देश्य **कृषि सखी के रूप में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाकर,** कृषि सखियों को **पैरा-विस्तार कार्यकर्त्ताओं** के रूप में प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करके ग्रामीण भारत में बदलाव लाना है।
- यह प्रमाणन पाठ्यक्रम "लखपति दीदी" **कार्यक्रम** के उद्देश्यों के **अनुरूप** भी है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-किसान)

- इस योजना के अंतर्गत, केंद्र सरकार सभी भूमिधारक किसानों के बैंक खातों में **तीन समान किस्तों में प्रतिवर्ष 6,000 रुपए की राशि सीधे हस्तांतरित करती है, चाहे उनकी भूमि का आकार कुछ भी हो।**
  - इसे **फरवरी 2019** में लॉन्च किया गया था।
- यह एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसका 100% वित्तपोषण भारत सरकार द्वारा किया जाता है।**
- इसका क्रियान्वयन **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** द्वारा किया जा रहा है।
- **लाभार्थी किसान परिवारों की पहचान** की पूरी ज़िम्मेदारी **राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है।**
- **उद्देश्य:**
  - प्रत्येक फसल चक्र के अंत में प्रत्याशित कृषि आय के अनुरूप उचित फसल स्वास्थ्य और उपयुक्त उपज सुनिश्चित करने के लिये विभिन्न इनपुट प्राप्त करने में **छोटे तथा सीमांत किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना।**
  - उन्हें ऐसे व्ययों को पूरा करने के लिये **साहूकारों से बचाना** तथा कृषि गतिविधियों में उनकी निरंतरता सुनिश्चित करना।

लखपति दीदी योजना

- सरकार का लक्ष्य **गाँवों में दो करोड़ "लखपति दीदी" (समृद्ध बहनें)** तैयार करना है। यह योजना गरीबी उन्मूलन और आर्थिक सशक्तीकरण के व्यापक मिशन से जुड़ी है।
- इस योजना के तहत **महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ताकि वे प्रतिवर्ष 1 लाख रुपए से अधिक कमा सकें।**
- **विशेषताएँ:**
  - **कृषि गतिविधियों के लिये महिला स्वयं सहायता समूहों** को ड्रोन **उपलब्ध** कराए जाएंगे।
  - इस नई पहल का उद्देश्य प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर कृषि परिदृश्य में बदलाव लाना तथा **ग्रामीण समुदायों में** महिलाओं को सशक्त बनाना है।
  - लगभग **15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन संचालन और मरम्मत का प्रशिक्षण दिया जाएगा।**
    - यह प्रशिक्षण न केवल आय सृजन के नए अवसर उत्पन्न करेगा बल्कि महिलाओं को अत्याधुनिक कौशल से भी लैस करेगा।
  - ड्रोन में परिशुद्ध खेती**, फसल निगरानी और कीट नियंत्रण** को सक्षम करके कृषि में क्रांति लाने की क्षमता है।
  - इस योजना के तहत महिलाओं को LED बल्ब **बनाने, प्लंबिंग आदि** जैसे कौशलों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pm-kishan-scheme